

19<sup>2</sup>/<sub>21</sub>

पञ्चाशती शतकत। कमील वाणी अनुग/न्यायालय  
के पुकारे आने पर ना तो वाणी ना ही कमील  
वाणी न्यायालय के लक्ष्य स्पर्शकृत हुए। अतः  
वाङ्-वाणी के पर हाजिरी कदम के नीचे के कारिज  
दिना आता है पञ्चाशती विभागगत वाजित वन्द्य  
होकर नन्द के कर हो।

(पवन कुमार)

**उपखण्ड अधिकारी**  
अनूपगढ़

